जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *डॉ. मुमताज अहमद खान*
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 22
दिनांक 14.02.2022

जनेकृविवि में ऑनलाइन रिमोट सेसिंग औरजीआईएस की बुनियादी मूलभूत सिद्धान्तों का अनुप्रयोग हेतु प्रशिक्षण शुरू

जबलपुर 14 फरवरी। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि अभियायंत्रिकी महाविद्यालय में कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन की प्रेरणा अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेंद्र कुमार खरे, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला के दिग्दर्शन एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित कुमार शर्मा के सहयोग से भारत सरकार एवं विश्व बैंक प्राप्त परियोजना नेशनल एग्रीकल्चर हायर एजुकेशन प्रोजेक्ट (एन.ए.एच.इ.पी.) के

अंतर्गत विभिन्न प्रदेशों के विश्वविद्यालयों के कृषि महाविद्यालय जैसे ग्वालियर, रायपुर, पूसा दिल्ली, जयपुर, नागालैंड विश्वविद्यालय, अलीगढ़, आईसीएआर–अटारी जबलपुर, टीएनएयू विश्वविद्यालय एवं कृषि विद्यापीठ अकोला के विभिन्न विभागों के शिक्षकों, वैज्ञानिकों और परियोजना कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन रिमोट सेसिंग और जीआईएस की बुनियादी मूलभूत सिद्धान्तों का अनुप्रयोग हेतु प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा हैं। यह नेशनल एग्रीकल्चर हायर एजुकेशन प्रोजेक्ट के मुख्य अन्वेषक डॉ. आर.के. नेमा व डॉ. मनोज कुमार अवस्थी (प्रिंसिपल साइंटिस्ट) के निर्देशन तथा संयोजन में आज से शुरू हुआ है जो 16 मार्च को समाप्त होगा।

प्रशिक्षण में रिमोट सेसिंग और जीआईएस की बुनियादी जानकारी तथा इनका कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में अनुप्रयोग जैसे भूजल की क्षमता का आंकलन, जल संचयन संरचना के लिये स्थल का चुनाव, मृदा अपरदन का आंकलन आदि के साथ साथ क्यू. जी.आई.एस. सॉफ्टवेयर की कार्यप्रणाली के विषयों मे भी जानकारी प्रदान की गई। इस प्रशिक्षण में 37 शिक्षकों, वैज्ञानिकों और परियोजना कर्मचारियों ने पंजीयन कराया है। इस प्रशिक्षण में भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान देहरादून के वैज्ञानिक डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. पूनम तिवारी, डॉ. एन.आर. पटेल तथा नाहेप प्रोजेक्ट की डॉ. अपर्णा वाजपेयी, डॉ. सौरभ नेमा, इजी. कृष्णा सिंह, इजी रचित नेमा, डॉ. पी.एस. पवार, डॉ. देवेन्द्र वास्ट, सुमित काकडे, इजी. अंजली पटेल, डॉ. उमाकांत रावत ओम प्रकाश प्रजापति, इजी. अलोक राजपूत और अनिकेत राजपूत के द्वारा प्रशिक्षण तथा तकनीकी सहयोग दिया जा रहा हैं।

–000–